HARI-HAR SEEDS BUMPER YIELDS

HARI-HAR SEEDS

HARI-HAR®
SEEDS

शिव गंगा हाइब्रिड सीड्स प्रा.लि.

राम भवन, सामने सुशीला भवन, बालसमन्द रोड़, हिसार-125001 (हरियाणा) / दूरभाष नं. 70159-27772

मूंग फसल उत्पादन की समग्र सिफारिशें

मूंग प्रोटीन के रूप में हमारी थाली की पौष्टिकता है। इसमें FIBRE की मात्रा अधिक होती है,
विटामिन एवं मिनरल अधिक होते हैं। बसा की मात्रा कम होती है तथा ANTIOXIDANTS होते हैं।

HARI-HAR SEEDS

भूमि :-

मूंग की फसल के लिये दोमट, रेतीली दोमट, उर्वरा शक्ति युक्त भूमि आवश्यक है। मूंग के लिये अच्छी जल निकासी वाली भूमि उत्तम है।

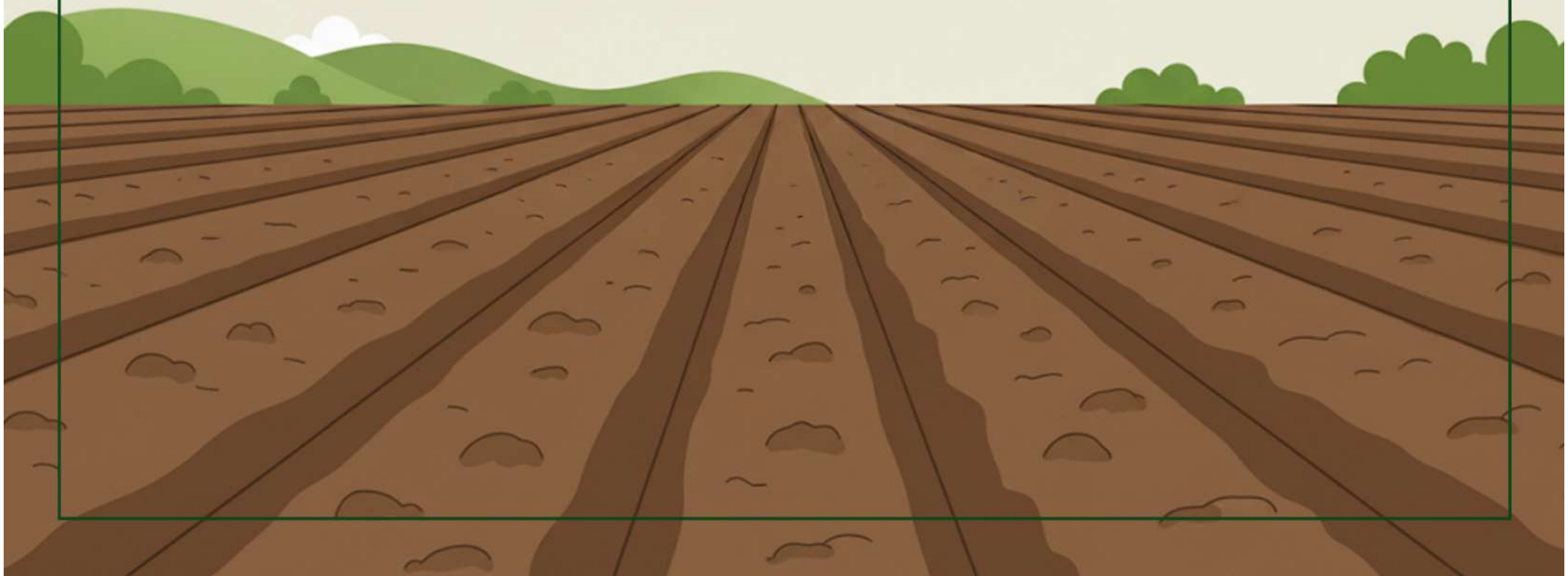

HARI-HAR SEEDS

भूमि की तैयारी :-

मूंग के लिए खेत तैयार करते समय एक जुताई MOULD BOLD PLOUGH से करनी चाहिए उसके बाद दो जुताई डिस्क हैरो से करनी चाहिए और पाटा लगा कर छोड़ दें।

HARI-HAR SEEDS

बीज की मात्रा :-

मूंग की उत्तम उपज लेने के लिये खरीफ मौसम में 5 किलो तथा जायद मौसम में 8 किलो प्रति एकड़ प्रमाणित या टी. एल. सीड पर्याप्त होता है।

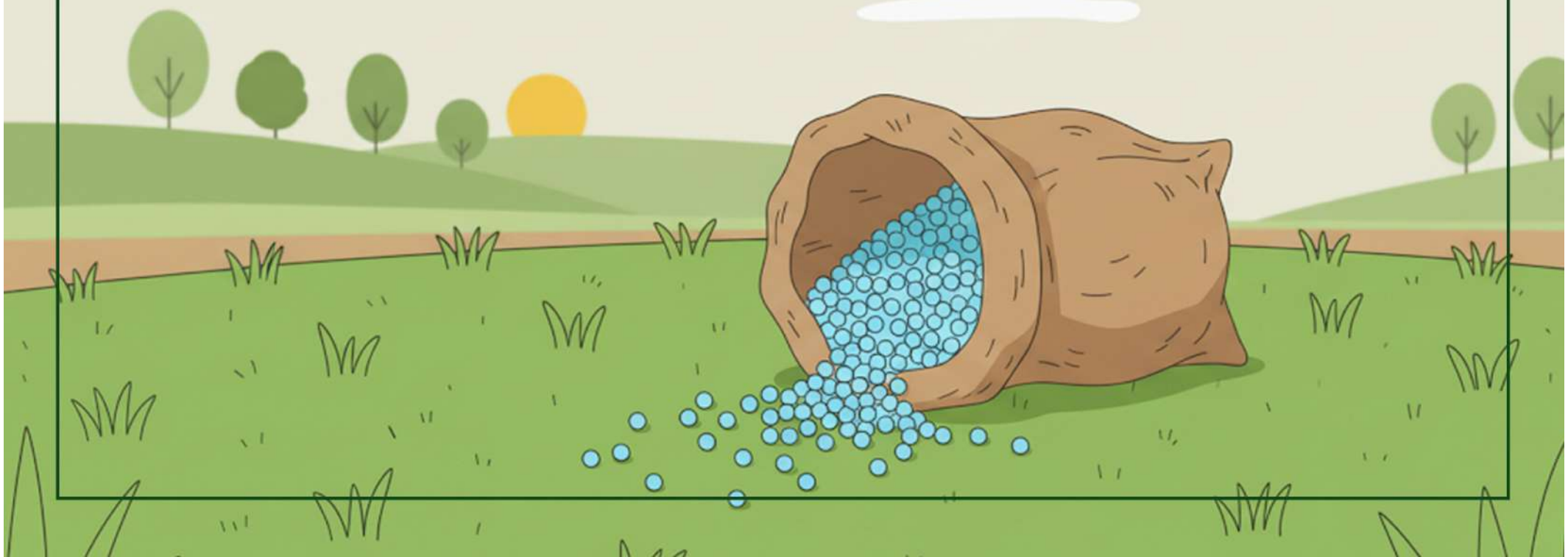

HARI-HAR SEEDS

बीज का इनोकुलेशन :-

मूंग के बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना चाहिए। बिजाई से तुरन्त पहले एक एकड़ मूंग बीज को 200 ग्राम पानी में 50 ग्राम गुड का घोल बना कर पक्के फर्श पर खोल कर 50 ML कलचर मिला लें और छाया में सुखा कर बिजाई करें। कलचर उपचारित बीज में 13.5% तक उपज बढ़ने की सम्भावना रहती है।

HARI-HAR SEEDS

उपचार :-

राइजोबियम मिलाने से पूर्व बीज को 3 ग्राम/प्रति किलो के हिसाब से थाइरम से उपचारित कर देना चाहिए।

HARI-HAR SEEDS

बिजाई का समय :-

खरीफ ऋतु में मूंग की बिजाई का उत्तम समय जुलाई का प्रथम पखवाडा तथा जायद (SUMMER) के मौसम में मार्च का पूरा माह उपयुक्त होता है।

HARI-HAR SEEDS

किस्म :-

मुख्य किस्मों में SML-668, MH-421, MH-1142, सत्या, विक्रान्त-65, SML-1847, MH-1762

HARI-HAR SEEDS

बिजाई का तरीका :-

मूंग की फसल बखेर कर नहीं बोनी चाहिए। पौरा, केरा, सीड ड्रिल से खरीफ में 45 X 10 CM के अन्तर से 5-6 CM गहराई पर बिजाई करें तथा जायद ऋतु में 35 X10 CM अन्तर पर बिजाई करें।

HARI-HAR SEEDS

उर्वरक :-

मूंग की फसल में भूमि में राजोबियम वैक्टीरिया के कारण खुद नाइट्रोजन एकत्र करने की क्षमता होती है इसलिये केवल 5 KG नाइट्रोजन (11KG युरिया प्रति एकड़) तथा 16 KG सुपर फास्फेट (10 KG सिंगल सुपर फास्फेट) की आवश्यकता होती है। बेहतर रहे SOIL HEALTH CARD के अनुसार उर्वरक की मात्रा डाली जाए।

HARI-HAR SEEDS

खरपतरवार नियन्त्रण :-

मूंग में खरीफ की फसल में अधिक खरपतवार की सम्भावना रहती है अतः वासालिन 45 EC 600 ग्राम या ट्रेफलान 48 EC (ट्राईफ्लूरान 800 ML) 200 लीटर पानी में घोल बना कर स्प्रे कर बाद में मूंग की बिजाई कर दें।

HARI-HAR SEEDS

सिंचाई :-

आवश्यकतानुसार। पलेवा करके बिजाई करें। खेत सूखने न पाये साथ ही ध्यान रखें कि वर्षा का पानी अधिक देर खेत में न खड़ा रहे।

HARI-HAR SEEDS

बिमारियाँ :-

(I) पीला मोजेक वायरस :- इसका कोई उपचार नहीं है बचाव है। यह रोग BEMISA TABECI WHITE FLY सफेद मक्खी द्वारा वायरस फैलाने से होता है। फलियाँ, पत्ते, तना तथा दाने पीले पड़ जाते हैं अतः मूंग की गुणवत्ता गिर जाती है। सफेद मक्खी को पनपने न दें 250 ML रोगोर 30 EC (DIMETHOATE) तथा 40 ML कोनफीडोर प्रति एकड़ 200 ML पानी से 2-3 बार छिड़काव करें। कृषक मूंग में पीला मौजेक वायरस रोग आने पर बीज को दोष देते हैं। भारतीय न्यूनतम बीज प्रमाणीकरण मानकों में पीला मौजेक वायरस रोग का कोई मानक निर्धारित नहीं है। अतः उत्पादक इस बीमारी के लिये उत्तरदायी नहीं है क्योंकि प्रमाणित और टी. एल. बीज पीला मौजेक वायरस लगने पर भी मान्य होता है। बीज उत्पादक अपने कृषकों को रोग से बचने के उपाय सुझाते हैं क्योंकि किसान उनका ग्राहक है। मूंग में केवल HALLO BLIGHT का ही मानक निर्धारित है।

HARI-HAR SEEDS

बिमारियाँ :-

(II) हानिकारक कीट :- (क) बालवाली सुन्डी- 500 ML एक्लक्स 25 EC QUANALPHOS या 200 ML NUAN 700 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

(ख) लंगड़ी सुन्डी और हरी सुन्डी - 200 ML न्युआन 100 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

HARI-HAR SEEDS

टिप्पणी :-

मूंग का उत्तम उत्पादन लेने के लिये कम्पनी के खुद के अनुसन्धान फार्म, कृषि विश्वविद्यालयों तथा प्रगतिशील किसानों के अनुभव पर आधारित सिफारिशें हैं। विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न कारक उपज को प्रभावित करते हैं अतः किसान यदि इन सिफारिशों से सन्तुष्ट न हो तो अन्य श्रोतों से शास्य क्रियाओं की जानकारी अपना सकता है। विभिन्न भौगौलिक क्षेत्रों के लिये स्थानीय कृषि विदों, विशेषज्ञों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि विज्ञान केन्द्रों से सलाह कर PACKAGE OF PRACTICES अपना सकता है।